भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 187
जिसका उत्तर दिनांक 05 दिसम्बर, 2013 को दिया जाना है

बीएचईएल परियोजनाएं

187. श्री ए.के.एस. विजयन:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (बीएचईएल) विद्युत परियोजनाओं से नए ऑर्डर नहीं मिलने के कारण चिंताजनक स्थिति का सामना कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्तमान परियोजनाएं भी धीमी गति से चल रही हैं या वित्तीय मुश्किलों के कारण अटकी पड़ी हैं; और

(घ) यदि हां, तो भेल को ऑर्डर दिलाने में मदद करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री प्रफुल पटेल)

(क) और (ख): विद्युत/इलेक्ट्रिकल उपकरणों/केपिटल गुड्स संबंधी घरेलू विनिर्माणकारी उद्योग जिनका भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) एक भाग है, 2011-12 से भारतीय विद्युत सेक्टर में मंदी तथा मंदगति से चल रहे औद्योगिक कार्यकलापों के कारण वर्तमान में सुस्त और मुश्किल दौर से गुजर रहा है। ऐसा कारकों के संयोग के कारण है जिनमें अन्य बातों के साथ निम्नलिखित कारक शामिल हैं:

- अनुपलब्धता/अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों/अवरोधों/ समर्थ बनाने वाली आवश्यकताओं जैसे कि भूमि, कोयला/ईंधन संयोजनों, पर्यावरणीय अनापत्तियों आदि की कमी की वजह से घरेलू विद्युत सेक्टर बाजार में विकसित होने वाले नए ऑर्डरों में भारी गिरावट।
- ऑर्डरों का स्थगन अथवा रोक लिया जाना।
- निवेश की कमजोर इच्छा-शक्ति, बैंको/वित्तीय संस्थानों से वित्तीय अवरोध।
- सुपर-क्रिटिकल बॉयलरों और टरबाइन जेनरेटरों के लिए देश में नई कंपनियों/निजी सेक्टर में बनाए गए संयुक्त उद्यमों से आक्रामक प्रतिस्पर्धा, जो मूल्य प्राप्ति को प्रभावित करती है और लाभ पर प्रभाव डालती है।
- हाल के वर्षों में इलेक्ट्रिकल उपकरण के आयात, मुख्य रूप से चीन से आयात में तीव्र वृद्धि, जिसके कारण घरेलू विद्युत उपकरण विनिर्माताओं को व्यवसाय की हानि हो रही है।

- मुद्रास्फीति का दबाव और ब्याज दरों का बढना जिससे लागत/घरेलू मांग और पूंजी की लागत पर प्रभाव पडता है।
- विदेशी आपूर्तिकर्ताओं/ विनिर्माताओं की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा सहे जा रहे अवसंरचना अवरोधों सहित समान स्तर की प्रतिस्पर्धा की कमी।
- घरेलू विद्युत परियोजनाओं की अन्य के साथ वित्तपोषण के लिए बाहरी वाणिज्यिक उधारियों (ईसीबी) पर बढी हुई उच्चतम सीमा, जो सामान्यत: देश के बाहर से उपकरण मंगाने को सुविधाजनक बनाती है।
- वैश्विक मंदी, राजनीतिक हलचल, सीरिया जैसे देशों में सशस्त्र संघर्ष, जिसके कारण निर्यात की मांग घटी, आदि।

उपर्युक्त कारणों ने बीएचईएल जो घरेलू बाजार में अग्रणी कंपनी है, सहित घरेलू विद्युत उपकरण विनिर्माताओं की ऑर्डर बुक करने की स्थिति को बुरी तरह से प्रभावित करने के साथ ही इनके क्षमता उपयोग को कम किया है।

(ग) कुछ वर्तमान विद्युत परियोजनाएं ग्राहकों के सुपुर्दगियों के लिए भुगतान जारी करने में अवरोध और उनके द्वारा सामना की जा रही अन्य बाध्यताओं के कारण धीमी गति से चल रही हैं या अटकी पड़ी हैं जिसके कारण उन परियोजनाओं की प्रगति में कमी आ रही है।

(घ) भारी उद्योग विभाग और विद्युत मंत्रालय नियमित रूप से बीएचईएल के साथ समीक्षा बैठक करता है और उपयुक्त अंत:क्षेपों के माध्यम से अन्य सरकारी एजेन्सियों/विभागों/मंत्रालयों आदि के साथ मुद्दे उठाने में आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

*****